जो भी मरता है और उसपर रोने वाला कहता है: हे पहाड़! हे सरदार! अथवा इसी प्रकार की दूसरी बातें कहता है, तो दो फ़रिश्ते उस पर लगा दिए जाते हैं, जो उसके सीने पर हाथ मार कर कहते हैं: क्या तू ऐसा ही था?

अबू मूसा (रज़ियल्लाहु अनहु) से मरफ़ूअन रिवायत है: जो भी मरता है और उसपर रोने वाला कहता है: हे पहाड़! हे सरदार! अथवा इस प्रकार की दूसरी बातें कहता है, तो दो फ़रिश्ते उसपर लगा दिए जाते हैं, जो उसके सीने पर हाथ मार कर कहते हैं: क्या तू ऐसा ही था?। [ह़सन] [इसे तिर्मिज़ी ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/8917